## मुहावरे अभ्यास पत्र 2

## कक्षा-पाँच

प्र01- नीचे दिए गए वाक्यों में मुहावरों के अशुद्ध प्रयोग को शुद्ध करके	
त्रिण= नाय । यस पार्य में मुहायरा या असुर्य प्रयाग या सुर्य यास्या लिखिए-	
1	•
1.	पड़ोसी के घर में जो नौकर है उससे खेत के घोड़े की तरह कार्य
	करवाया जाता है।
2.	दीपक द्वारा मदद माँगने पर आकाश ने उसे उँगली दिखा दी।
3.	दूरदर्शन पर रामायण देखते समय अचानक बिजली चली जाने से होली में
	रंग पड़ गया।
4.	अमित के परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उसके पिता नीले-पीले हो गए।
5.	ऑनलाइन परीक्षा के लिए सभी छात्र पेट कसकर तैयार हैं।
6.	अपना सभी कार्य पूरा करके अपूर्व हाथी बेचकर सो रहा है।
7.	जब सक्षम ने सुझाव दिया कि हम अपने प्रश्न लेकर अध्यापिका के पास
	चलते हैं तो चैतन्य ने कहा कि तुमने तो मेरे दिमाग की बात छीन ली।
8.	इतने बड़े बंदर को छत पर देखकर अनिका के नाक-कान फूल गए।
9.	कोरोना की बीमारी के साथ टिड्डी दल के फसलों पर हमला करने से
	किसानो का गरीबी में हाथ गीला हो गया।
10.	जो लोग समय पर अपना कार्य पूरा करते हैं वे लकड़ी की बंसी बजाते हैं।
प्र02- निम्नलिखित शब्दों के लिए उचित मुहावरा लिखिए-	
1.	सुख से रहना-
2.	मूर्ख / नासमझ-
3.	साफ़ मना कर देना-
4.	क्रोध से देखना-
5.	निरंतर कार्य करना-